पढाई ही कमाई और सोर्स ऑफ इनकम होती
जो 21जन्मों का खजाना जमा कराती
जो करते श्रीमत का उल्लंघन उन पर राहु की दशा होती
अभी वृक्षपति बाप की ब्रहस्पति दशा है बैठी
हमेशा शुद्ध कर्म ही करना
अंदर में कोई बिमारी हो तो सर्जन से राय लेना
संग दोष से करनी पूरी सम्भाल
प्रीत बुद्धि बन स्मृति का स्विच ऑन रखना
देह व देहधारी की स्मृति से स्विच ऑफ हो जाता
मुख से बाबा कहने से टाइम नही लगता
यह आत्मिक बाम्ब है पुरानी दुनिया भूलाता
देह-भान से परे रहना
माना डबल लाइट फरिश्ता बनना

ओम शांति!!
मेरा बाबा!!